दैनिक जागरण को मिला राष्ट्रीय जल पुरस्कार

जल संरक्षण को बढ़ावा देने वाले सार्थक समाचारों और असरदार संपादकीय अभियानों के लिए दैनिक जागरण को 2018 का राष्ट्रीय जल पुरस्कार (नेशनल वाटर अवार्ड-2018) प्रदान किया गया। भारत सरकार द्वारा यह पुरस्कार जल संरक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान करने वाले व्यक्तियों व संस्थाओं को प्रदान किया जाता है। 'सर्वश्रेष्ठ समाचार पत्र' की श्रेणी में प्रथम और द्वितीय दोनों ही पुरस्कार दैनिक जागरण को प्रदान किए गए हैं। सारभूत पत्रकारिता की अपनी परंपरागत रीति-नीति में दैनिक जागरण ने सामाजिक सरोकारों को भी प्राथमिकता दी है। जागरण समूह के सात सरोकारों-जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, स्वस्थ समाज, सुशिक्षित समाज, नारी सशक्तिकरण, जनसंख्या नियोजन और गरीबी उन्मूलन में जल संरक्षण एक अहम विषय है। इन महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक जनजागरूकता लाने और आमजन को प्रेरित-प्रोत्साहित करने के लिए दैनिक जागरण अपने नियमित स्तंभ 'जागरण सरोकार' में अति प्रेरक व पठनीय सामग्री अपने करोड़ों पाठकों तक प्रतिदिन पहुंचाता है। इसके अलावा 'जलदान' जैसे संपादकीय अभियानों के माध्यम से देशभर में जल संरक्षण को लेकर जनचेतना का विस्तार करने का दायित्व दैनिक जागरण पूरा करता आया है।

गौरतलब है कि केंद्रीय जल संसाधन और नदी विकास मंत्रालय की ओर से प्रदान किए जाने वाले प्रतिष्ठित राष्ट्रीय जल पुरस्कार (नेशनल वाटर अवार्ड) के लिए विजेता का चयन दो मापदंडों पर किया गया। किसी समाचार पत्र द्वारा वर्ष भर में प्रकाशित ऐसी सार्थक रिपोर्ट्स की संख्या और दूसरा इनके पाठकों की संख्या, इन दोनों ही मापदंडों पर खरा उतरते हुए दैनिक जागरण ने देशभर के विभिन्न समाचार पत्रों को पीछे छोड़ा और प्रथम व द्वितीय दोनों श्रेणियो में पुरस्कार हासिल किए। नई दिल्ली स्थित कांस्टीट्यूशन क्लब में आयोजित हुए पुरस्कार वितरण समारोह में केंद्रीय जल संसाधन और नदी विकास मंत्री नितिन गडकरी जी के द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया।

जल संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले जिलों, कार्यालयों, व्यक्तियों और संस्थाओं को भी अलग-अलग श्रेणी में पुरस्कार प्रदान किए गए। दैनिक जागरण को 'सर्वश्रेष्ठ समाचार पत्र' श्रेणी में प्रथम पुरस्कार के रूप में दो लाख रूपये व प्रमाण-पत्र और द्वितीय पुरस्कार के रूप में डेढ़ लाख रूपये व प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया।

पानी को नष्ट न करे और न ही किसी को करने दें : अर्जुनराम मेघवाल

राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान का 40वाँ स्थापना दिवस 16 दिसम्बर 2018 को मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि केन्द्रीय जल संसाधन राज्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल व सचिव यूपी सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। केन्द्रीय मंत्री मेघवाल ने कहा कि पानी को नष्ट न करें न ही किसी को करने दें। उन्होंने कहा कि आज भूजल दोहन होने से शहरों में पानी का जल स्तर गिरता जा रहा है, जो कि चिंता का विषय है। पानी के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए उन्होंने राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान के निदेशक को 40 प्रतिनिधियों की टीम तैयार करने को कहा। उन्होंने कहा कि कावेरी नदी जल के बंटवारा को लेकर आज भी लोग धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के ओदश पर केन्द्रीय जल आयोग को कर्नाटक सरकार ने डीपीआर बनाने की इजाजत दी जिस पर जबरदस्त विरोध का सामना करना पड़ रहा है। भूजल दोहन के कारण कई जगह जल संकट की समस्या है। वर्ष 1980 में देश में 1 मिलियन ट्यूबवेल थे जो अब बढ़कर 15 मिलियन हो गये हैं। देश में कृषि उपज का चक्र ठीक नहीं है। जहां पर गन्ने की खेती होनी चाहिए वहां धान उगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पानी की बर्बादी रोकने के लिए पुराना

16 दिसम्बर 2018 को संस्थान के 40 वें स्थापना दिवस पर दीप प्रज्वलित करते अतिथिगण।

फार्मूला अपनाना होगा। हम रूकेंगे और पानी की बर्बादी रोकेंगे की तर्ज पर टोकने की आदत डालनी होगी। यह शुरूआत घर से होगी इसे पूरे समाज में बढ़ाया जाएगा। जागरूकता से ही पानी के संकट से निजात मिलेगी।

केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि पूरे विश्व की जनसंख्या बढ़ोत्तरी में भारत का योगदान कहीं अधिक है। पूरा विश्व इस बात को लेकर चिंतित है। जनसंख्या के 2050 में क्या दुष्प्रभाव होंगे इस पर चर्चा हो रही है। देश के वैज्ञानिकों को चाहिए कि वह 2050 का लक्ष्य केंद्रित कर इस बात पर रिसर्च करें कि तब लोगों को पानी कैसे मिलेगा। आज गांधीजी की 150वीं जयंती मनाई जा रही है। गांधीजी ने 90 साल पूर्व पानी को लेकर अपनी चिंता जताई थी, उनकी चिंता जायज थी और उसके दुष्परिणाम आज सामने हैं इसलिए पानी की बर्बादी को हर हाल में रोकना होगा। साथ ही उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान स्टाफ एसोसिएशन के पदाधिकारीयों द्वारा पेंशन, सेवानिवृत्ति उपरान्त चिकित्सा सुविधा पर व्यक्तिगत हस्तक्षेप कर समाधान कराने का पूरा प्रयास किया जाएगा। जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण मंत्रालय के सचिव यूपी सिंह ने कहा कि आज भारत के अंदर ही पानी को लेकर विवाद शुरू हो चुके हैं, कावेरी विवाद सबके सामने है। देश के अंदर पानी का कोई मूल्य नहीं है। सिंचाई के लिए मुफ्त में बिजली एवं पानी देने से आज पानी की बर्बादी सबसे अधिक हो रही है। पानी का कोई लेखा-जोखा नहीं रख रहा है। जरूरत से कई अधिक पानी को बर्बाद किया जा रहा है। देश में पानी के अनुसार फसलों की बुआई का पैटर्न नहीं बन पा रहा है। प्रदेश के सिंचाई मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि पानी राष्ट्र की संपत्ति है। इसलिए जिसकी जितनी जरूरत है उतना ही पानी का इस्तेमाल करें। पानी राष्ट्रीय धरोहर है। उन्होंने कहा कि केदारनाथ में आई बाढ़ जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लेशियर पिघलने से हुई। उन्होंने कहा कि पानी का उपयोग वैज्ञानिक तरीके से हो जिससे रेगिस्तान में भी पेड़-पौधें उगाऐ जा सके। इस अवसर पर माननीय अतिथियों द्वारा संस्थान के प्रांगण में पौधारोपण भी किया गया। पत्रकारों से बातचीत में प्रदेश के सिंचाई मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि मंत्रालयों का एक बार फिर से गठन होना चाहिए। समय के साथ इसमें बदलाव की जरूरत है। इस मौके पर

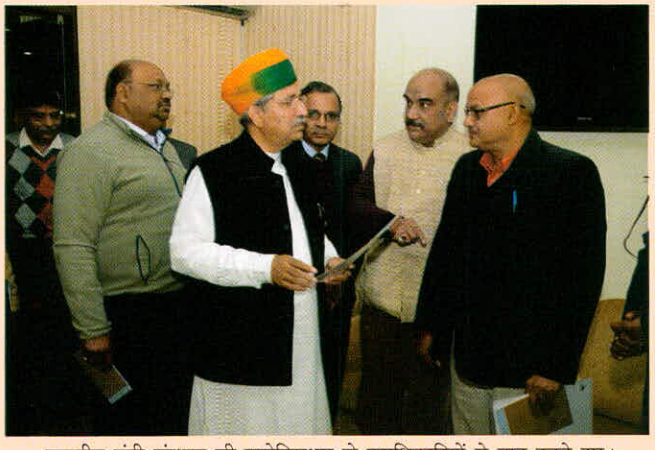

माननीय मंत्री संस्थान की एसोसिएशन के पदाधिकारियों से बात करते हुए।

कार्यक्रम में डॉ. एबी पांड्या, प्रो. पीपी मजूमदार, डॉ. एनसी घोष, डॉ. अनुपमा शर्मा, सुमन गुर्जर, डॉ. वीसी गोयल, डॉ. सुधीर कुमार, डॉ.सीके जैन, डॉ. प्रदीप कुमार, पीके अग्रवाल, डॉ. मुकेश शर्मा, वीके शर्मा, राजू जुयाल, पवन कुमार शर्मा, राम कुमार, विपिन कुमार अग्रवाल, संदीप गुप्ता आदि मौजूद रहे।

जल संरक्षण को किया जागरूक

केएलडीएवी पीजी कॉलेज में ईश्वर दयाल व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया गया। इसमें जल एवं पर्यावरण विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं व्याख्यानदाता के रूप में राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान रूड़की के निदेशक

संस्थान के 40 वें स्थापना दिवस के दौरान 'हाइड्रोलॉजिकल नॉलेज इन एनसिएंट इंडिया' नामक पुस्तक का विमोचन।

संस्थान के निदेशक डॉ. शरद कुमार जैन ने स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित ब्रेन स्टॉर्मिंग सत्र के दौरान किए गए विचार मंथन की जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर आइसीआइडी के महासचिव डॉ. एबी पांडया, आइआइएससी बंगलौर के डॉ. पीपी मजूमदार ने भी अपने विचार रखे। इस मौके पर संस्थान की 'हाइड्रोलॉजिकल नॉलेज इन एनसिएंट इंडिया' एवं कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया गया। इस अवसर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता स्कूली बच्चों को भी सम्मानित किया गया।

डॉ. शरद कुमार जैन उपस्थित रहे। उन्होंने "जल ही जीवन" है सूक्ति को चरितार्थ करते हुए जल की भूमिका एवं महत्व एवं बदलते परिवेश में जल का संरक्षण करने व दुरूपयोग को रोकने के उपाय बताये। उन्होंने कहा कि सरल उपायों के जरिए प्रत्येक व्यक्ति दैनिक जीवन में पानी का संरक्षण कर सकता है। प्राचार्य डॉ. यशोदा मित्तल ने महाविद्यालय की पृष्ठभूमि के बारे में जानकारी दी। बताया कि महाविद्यालय के संस्थापक प्राचार्य स्वर्गीय ईश्वर दयाल की स्मृति में ईश्वर दयाल व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया जा रहा है।

अपनी भाषा का महत्व हमें समझना होगा

हिंदी दिवस पर आयोजित किए गए कार्यक्रम, मां गंगा को स्वच्छ एवं निर्मल बनाने को मांगा सहयोग

जो वैज्ञानिक शोध हो रहे हैं यदि उन्हें दूसरे देशों के लोग समझ पा रहे हैं लेकिन भाषा की समस्या के कारण यदि वह बातें देश की जनता नहीं समझ पा रही है तो फिर उन शोध कार्यों का कोई फायदा नहीं है। किसी दूसरी भाषा को अपनाना अनुचित नहीं है लेकिन अपनी भाषा का महत्व सिर्फ हम ही समझ सकते हैं। ये बातें हिंदी दिवस के मौके पर राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान (एनआईएच) रूड़की में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित अपर जिलाधिकारी (वित्त) डॉ. ललित नारायण मिश्र ने कही। उन्होंने मां गंगा को स्वच्छ एवं निर्मल बनाने के लिए एनआईएच से सहयोग मांगा तथा सभी से अपील की कि सोशल मीडिया का सदुपयोग करते हुए गंगा को स्वच्छ बनाने के लिए प्रचार-प्रसार करें। हाइवे के किनारे जागरूकतापरक स्लोगन युक्त बोर्ड एवं बैनर लगाएं, ताकि दिल्ली और अन्य राज्यों से आने वाले लोग जब हरिद्वार तक पहुंचे तो उनकी मानसिकता बदल जाए और वे गंगा को प्रदूषित न करें।

हिन्दी मास समारोह में संस्थान की हिन्दी पत्रिका प्रवाहिनी का विमोचन।

हिंदी दिवस समारोह में संस्थान के कार्यकारी निदेशक डॉ. एनसी घोष ने कहा कि जब वे इस संस्थान में आए थे तो उन्हें हिंदी बिल्कुल नहीं आती थी लेकिन अब वे 90 फीसदी हिंदी में ही बोलते हैं। इस दौरान संस्थान की वार्षिक पत्रिका प्रवाहिनी का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में राजभाषा प्रभारी डॉ. मनोहर अरोड़ा, हिंदी मास के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार, पूर्व निदेशक राजदेव सिंह, डॉ. जयवीर त्यागी, डॉ. सुधीर कुमार, डॉ. अनिल कुमार लोहानी, प्रदीप कुमार उनियाल आदि उपस्थित रहे।

एनआईएच ने कराई घाट की सफाई-राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान रूड़की की ओर से स्वच्छ भारत मिशन के तहत गंगनहर के कलियर अड्डा घाट पर सफाई अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान संस्थान के अधिकारियों और कर्मचारियों ने मिलकर सफाई की। नगर निगम के अधिकारी और कर्मचारियों भी इस अभियान में शामिल रहे।

एनआईएच रूड़की के स्वच्छ भारत मिशन के नोडल अधिकारी डॉ. लक्ष्मी नारायण ठकुराल ने कहा कि स्वच्छता ही विकास और खुशहाली लाती है। जहां पर स्वच्छता होती है वहां स्वयं ही खुशहाली आ जाती है। नगर निगम के मुख्य नगर आयुक्त अशोक कुमार पांडेय ने कहा कि स्वच्छता किसी एक की जिम्मेदारी नहीं है। सभी को इसका ध्यान रखना होगा। स्वच्छता को लेकर जिस तरह से रूड़की शहर के लोगों का सहयोग मिला है। उसी का नतीजा है कि रूड़की प्रदेश में स्वच्छता में प्रथम स्थान पर आया है।

संस्थान के कर्मचारियों द्वारा गंग नहर के किनारे स्वच्छता अभियान।

इस दौरान एनआईएच और नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों ने घाट की सफाई की। साथ ही आसपास फलों की रेहड़ी लगाने वालों से अपील करते हुए कहा कि गंदगी गंगनहर में न डालें। अपने पास कूड़ादान रखें। इस मौके पर एनआईएच के डॉ. जयवीर त्यागी, संजीव सत्यार्थी, मुकेश शर्मा, पवन कुमार शर्मा, सीमा भाटिया, अलका रानी, नीलम बोहरा, काजल, जॉनी वॉकर, दयाल सिंह, प्रवीण आदि मौजूद रहे।

जल संरक्षण के प्रति किया जागरूक

राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान की ओर से ''स्वच्छता ही सेवा अभियान'' के तहत कस्तूरबा गांधी छात्रावास बाजूहेड़ी में चित्रकला और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता हुई।

संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. विकास गोयल की ओर से छात्राओं को स्वच्छता के बारे में अवगत कराया गया। इस अवसर पर डॉ. गोयल ने कहा कि अपने घरों के आसपास साफ-सफाई रखनी चाहिए। घर के आसपास पानी इकट्ठा नहीं होना चाहिए। अन्य लोगों को भी स्वच्छता को लेकर जागरूक करना चाहिए। इस दौरान विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। साथ ही स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर डॉ. एलएन ठकुराल, रामकुमार, सुमन गुर्जर, अंजू चौधरी, एसके सत्यार्थी, सुभाष, राजेश, नीलम शामिल रहें।

प्रदूषण मुक्त बनाने को एनआईएच करेगा पहल

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान (एनआईएच) रूड़की की ओर से जल के क्षेत्र में अनेक शोध व परियोजनाओं पर काम किया जा रहा है। अब संस्थान की ओर से सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने और पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाने के लिए पहल की जाएगी। इसके लिए संस्थान नगर निगम, इस क्षेत्र में कार्य करने वाले विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों और स्कूलों से संपर्क कर रहा है।

स्वच्छ भारत मिशन के तहत वैसे तो शहर में समय-समय पर विभिन्न सामाजिक संगठनों की ओर से अपने स्तर से स्वच्छता अभियान चलाया जाता है, लेकिन अभी यह अभियान छोटे स्तर पर ही संचालित हो रहे हैं। अब शहर में स्थित केंद्रीय संस्थान एनआईएच रूड़की की ओर से स्वच्छता अभियान को शहर में व्यापक रूप देने की योजना बनाई जा रही है। इसके तहत संस्थान की ओर से नगर निगम, स्वयंसेवी संस्थाओं और स्कूल संचालकों के साथ वार्ता की जा रही हैं। एनआईएच के वैज्ञानिक एवं संस्थान में संचालित स्वच्छ भारत मिशन के नोडल आफिसर डॉ. एलएन ठकुराल ने बताया कि सामाजिक पहल करते हुए

संस्थान द्वारा आयोजित "स्वच्छता ही सेवा 2018" अभियान के दौरान स्कूली बच्चों द्वारा वृक्षारोपण।

संस्थान शहर को स्वच्छ, सुंदर और प्रदूषण मुक्त बनाने में अपना योगदान देना चाहता है। इसके तहत गंगनहर के घाटों में नियमित रूप से श्रमदान कर सफाई अभियान चलाया जाएगा। इसमें संस्थान के वैज्ञानिक और अन्य स्टाफ भी प्रतिभाग करेंगे। वहीं पौधारोपण और वर्षा जल संरक्षण आदि सामाजिक मुद्दों पर भी कार्य किया जाएगा। उनके अनुसार वैसे तो अभी शहर में कई सारी स्वयंसेवी संस्थाएं शहर की साफ- सफाई और पौधारोपण का कार्य कर रही हैं, लेकिन अभी एकजुटता का अभाव है। ऐसे में संस्थान स्थानीय प्रशासन, नगर निगम, सामाजिक संगठनों और स्कूलों के साथ मिलकर स्वच्छ भारत मिशन को विस्तृत रूप देना चाहता है। इसके लिए उनकी ओर से नगर निगम, इस क्षेत्र में काम करने वाली स्वयंसेवी संस्थाओं और स्कूलों से वार्ता की जा रही है। डॉ. ठकुराल ने बताया कि शुरूआत में दस स्कूलों को संस्थान अपने साथ जोड़ेगा। जिसके तहत बच्चों को वैज्ञानिकों की ओर से व्याख्यान देकर सफाई एवं पौधारोपण अभियान और स्वच्छ पर्यावरण का महत्व बताया जाएगा। साथ ही इन विषयों से संबंधित कला व अन्य प्रतियोगिताएं आयोजित करवाई जाएंगी। इसके अलावा रैली के माध्यम से बच्चे शहरवासियों को जागरूक करेंगे। वहीं पर्यावरण की दिशा में कार्य करते हुए शहर में समय-समय पर पौधारोपण किया जाएगा। वहीं, वर्षा जल संरक्षण के डेमो के लिए एक स्कूल को चुना जाएगा। उन्होंने बताया कि अभी भी संस्थान में स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जाता है। जिसके तहत संस्थान में सफाई अभियान चलाने के साथ ही तालाबों की साफ-सफाई और बच्चों में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतियोगिताएं आयोजित करवाई जाती हैं।

पाक को अब पानी नहीं देगा भारत

केंद्रीय परिवहन एवं जल संसाधन मंत्री नितिन गडकरी ने घोषणा की है कि देश के हिस्से का पानी अब पाकिस्तान नहीं जाएगा। पड़ोसी देश जा रहे इस पानी को रोककर हरियाणा में पानी की समस्या को खत्म किया जाएगा। इन पानी को राजस्थान तक ले जाने की भी योजना है। इसके लिए सरकार उत्तराखंड में तीन बांध बनाने जा रही है, ताकि भारत की तीन नदियों के हिस्से का पानी, जो पाकिस्तान जा रहा है, उसे यमुना में लाया जा सके। केंद्रीय मंत्री रोहतक में आयोजित तीसरे कृषि शिखर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि भारत-पाक विभाजन के समय तीन नदियां (सतलुज, रावी व ब्यास) भारत और तीन नदियां (सिंधु झेलम व चेनाब) पाकिस्तान को मिली थी। इसके बावजूद देश को मिली तीन नदियों से भी देश के हिस्से का पानी पाकिस्तान को मिलता रहा। इस पानी को देश में ही रोकने का निर्णय मौजूदा सरकार ने लिया है। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि देश का बहुत सा पानी समुद्र में भी व्यर्थ हो जाता है, इसके प्रबंधन की दिशा में सरकार ने बड़े कदम उठाए हैं। ड्रिप इरिगेशन के माध्यम से जहां देश के किसानों को तीन गुना अधिक पानी मिलेगा, वहीं ढाई गुना उत्पादन भी बढ़ेगा।

संपर्क करें
पवन कुमार
राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान
रूड़की।